



RAJASTHAN - CET

स्नातक स्तर

समान पात्रता परीक्षा

भाग – 3

गणित एवं रीजनिंग



RAJASTHAN – (CET)

गणित

1.	संख्या पद्धति	1
2.	सरलीकरण	9
3.	औसत	14
4.	लघुतम समापवर्त्य व महत्तम समापवर्तक (LCM & HCF)	18
5.	प्रतिशतता	21
6.	लाभ – हानि	25
7.	अनुपात एवं समानुपात	30
8.	साधारण ब्याज	35
9.	चक्रवृद्धि ब्याज	39
10.	समय और कार्य	42
11.	चाल, समय और दूरी (Speed, Time & Distance)	45
12.	क्षेत्रमिति	49
13.	डाटा इंटरप्रिटेशन	67

रीजनिंग

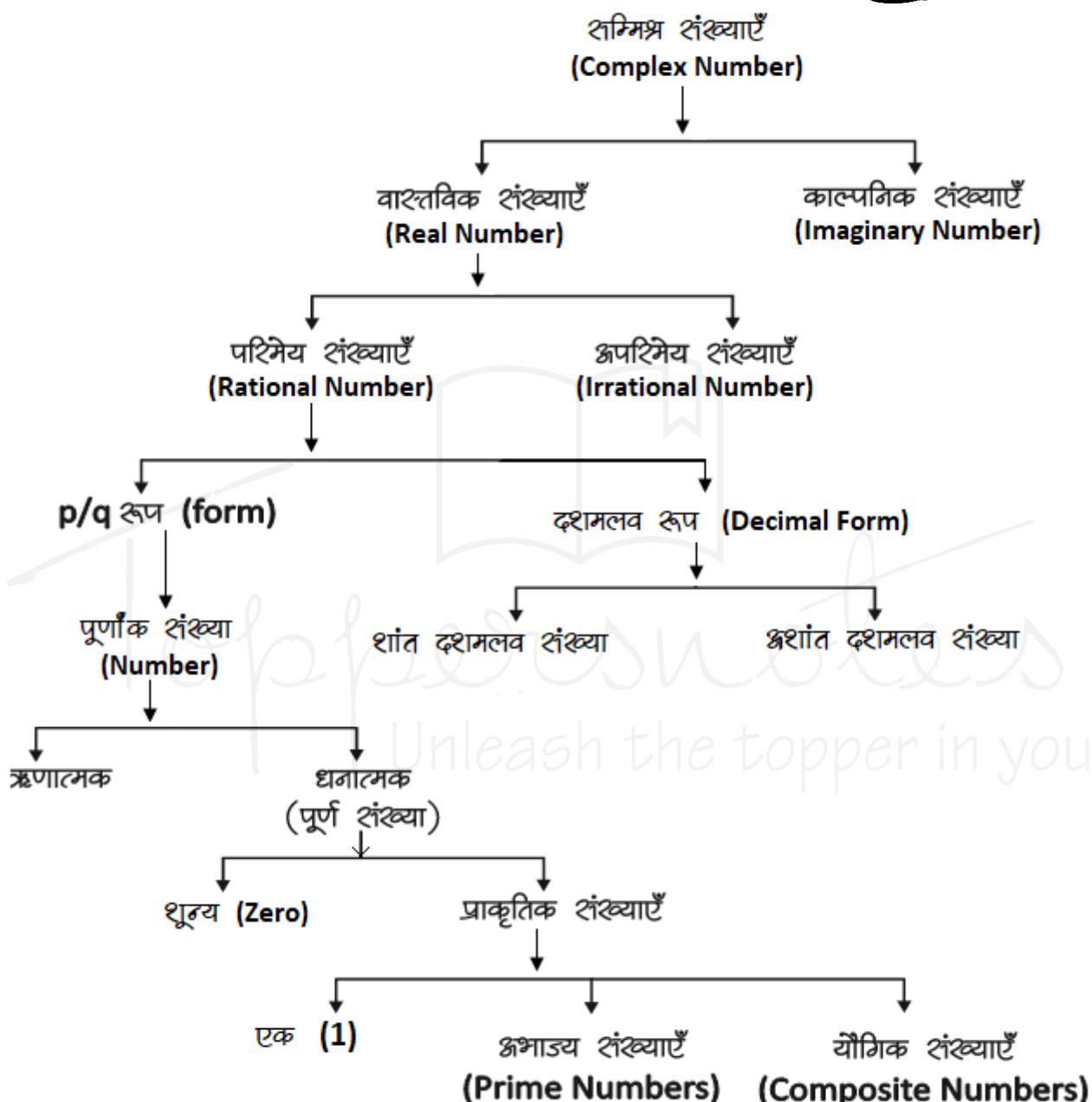
1.	श्रृंखला	79
2.	अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण	83
3.	कूट—भाषा परीक्षण	87
4.	दिशा और दूरी	91
5.	क्रम और रैंकिंग	97
6.	रक्त संबंध	100
7.	बैठक व्यवस्था	106
8.	मशीन एवं इनपुट	111

9.	शब्दों का तार्किक क्रम	126
10.	लुप्त पदों का भरना	130
11.	गणितीय संक्रियाएँ	137
12.	कथन और निष्कर्ष	139
13.	कथन और तर्क	143
14.	कथन और धारणा	147
15.	कथन और कार्यवाही	152
16.	निर्णय एवं समस्या समाधान	157
17.	सादृश्यता	162
18.	आकृति सादृश्य	167
19.	वर्गीकरण	171
20.	आकृति वर्गीकरण	175
21.	आव्यूह	178

1	राज्यपाल	182
2	मुख्यमंत्री	187
3	राज्य मंत्रिपरिषद्	192
4	विधान सभा	194
5	उच्च न्यायालय	203
6	राजस्थान लोक सेवा आयोग	207
7	राजस्थान में जिला प्रशासन	211
8	राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग	220
9	राजस्थान के लोकायुक्त	223
10	राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान	226
11	राजस्थान राज्य सूचना आयोग	229

दंख्या पद्धति (Number System)

सिद्धांत



दमिश्र दंख्याएँ (Complex Number) (z)

$Z = \text{वास्तविक दंख्या} + \text{काल्पनिक दंख्या}$

$$Z = a + ib$$

जहाँ $a = \text{वास्तविक दंख्या}$
 $b = \text{काल्पनिक दंख्या}$

वास्तविक दंख्याएँ

परिमेय एवं अपरिमेय दंख्याओं की समिलित रूप से वास्तविक दंख्या कहते हैं। इन्हें दंख्या रेखा पर प्रदर्शित किया जा सकता है।

काल्पनिक दंख्याएँ : जिन्हें दंख्या रेखा पर प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है।

पूर्णक दंख्याएँ : दंख्याओं का ऐसा समुच्चय जिसमें पूर्ण दंख्याओं के साथ-साथ

ऋणात्मक शंख्याएँ भी शमिल हो, पूर्णांक शंख्याएँ कहलाती हैं, इसे । से शुचित करते हैं ।
 $I = \{-4, -3, -2, -1, 0, 1, 2, 3, 4, \dots\}$

प्राकृत शंख्याएँ : जिन शंख्याओं का इरत्तेमाल वस्तुओं को गिनने के लिए किया जाता है, प्राकृत शंख्या कहते हैं ।

$N = \{1, 2, 3, 4, 5, \dots\}$
पूर्ण शंख्याएँ : जब प्राकृत शंख्याओं के परिवार में 0 को भी शमिल कर लेते हैं, तब वह पूर्ण शंख्याएँ कहलाती हैं ।
 $W = \{0, 1, 2, 3, 4, 5, \dots\}$

चार लगातार प्राकृतिक शंख्याओं का गुणनफल हमेशा 24 से पूर्णतः विभाज्य होता है ।

शम शंख्याएँ : शंख्याएँ जो 2 से पूर्णतः विभाज्य हो शम शंख्या कहलाती हैं ।

n वां पद = $2n$
 प्रथम n शम शंख्याओं का योग = $n(n+1)$

प्रथम n शम शंख्याओं के वर्गों का योग = $\frac{2n(n+1)(2n+1)}{3}$
 $\left\{ n = \frac{\text{अंतिम पद}}{2} \right\}$

विषम शंख्याएँ : वह शंख्याएँ जो 2 से विभाजित न हो, विषम शंख्याएँ होती हैं ।
 प्रथम n विषम शंख्याओं का योग = n^2

$$\left\{ n = \frac{\text{अंतिम पद} + 1}{2} \right\}$$

प्राकृतिक शंख्याएँ : प्रथम n प्राकृतिक शंख्याओं का योग = $\frac{n(n+1)}{2}$
 प्रथम n प्राकृतिक शंख्याओं के वर्गों का योग = $\frac{n(n+1)(2n+1)}{6}$

प्रथम n प्राकृतिक शंख्याओं के घनों का योग = $\left[\frac{n(n+1)}{2} \right]^2$

दो लगातार प्राकृतिक शंख्याओं के वर्गों का अंतर उनके योगफल के बराबर होता है ।

$$\text{उदाहरण} - 11^2 = 121$$

$$12^2 = 144$$

$$11 + 12 \rightarrow 23 \quad \text{Difference } 144 - 121 = 23$$

अभाज्य शंख्याएँ (Prime Numbers) - जिसके शिर्फ दो form हो- $1 \times \text{शंख्या}$

जैसे - $\{2, 3, 5, 7, 11, 13, 17, 19, \dots\}$

जहाँ 1 Prime Number नहीं है ।

2 एकमात्र शम Prime शंख्या है ।

3, 5, 7 क्रमागत विषम अभाज्य शंख्या का इकलौता जोड़ है ।

$$1 \text{ से } 25 \text{ तक कुल अभाज्य शंख्या} = 9$$

$$25 \text{ से } 50 \text{ तक कुल अभाज्य शंख्या} = 6$$

$$1-50 \text{ तक कुल } 15 \text{ Prime Number हैं} \quad |$$

$$51-100 \text{ तक कुल } 10 \text{ Prime Number हैं} \quad |$$

$$\text{इतः } 1-100 \text{ तक कुल } 25 \text{ Prime Number हैं} \quad |$$

$$1 \text{ से } 200 \text{ तक कुल अभाज्य शंख्या} = 46$$

$$1 \text{ से } 300 \text{ तक कुल अभाज्य शंख्या} = 62$$

$$1 \text{ से } 400 \text{ तक कुल अभाज्य शंख्या} = 78$$

$$1 \text{ से } 500 \text{ तक कुल अभाज्य शंख्या} = 95$$

शह अभाज्य शंख्याएँ - वह शंख्याएँ जिनका HCF शिर्फ 1 हो ।

$$\text{उदाहरण} - (4, 9), (15, 22), (39, 40)$$

$$\text{HCF} = 1$$

Perfect Number (परफेक्ट शंख्या) - वह शंख्या जिसके गुणनखण्डों का योग उस शंख्या के बराबर हो (गुणनखण्डों में द्व्ययं उस शंख्या की छोड़कर)

$$\text{उदाहरण} - 6 \rightarrow 1, 2, 3 \rightarrow \text{यहाँ } 1+2+3 \rightarrow 6$$

$$28 \rightarrow 1, 2, 4, 7, 14 \rightarrow 1+2+4+7+14 \rightarrow 28$$

परिमेय (Rational) शंख्याएँ - वह शंख्याएँ जिन्हें P/Q form में लिखा जा सकता है, लेकिन Q जहाँ शून्य नहीं होना चाहिए, P व Q पूर्णांक होने चाहिए ।

उदाहरण - $\frac{2}{3}, \frac{4}{5}, \frac{10}{-11}, \frac{7}{8}$

अपरिमित (Irrational) संख्याएँ - इन्हें P/Q form में प्रदर्शित नहीं किया जा सकता।

उदाहरण - $\sqrt{2}, \sqrt{3}, \sqrt{11}, \sqrt{19}, \sqrt{26} \dots \dots$

पूर्णवर्ग संख्या

↓
Unit Digit जो वर्ग के हो सकते हैं जो नहीं हो सकते

- 0 2 _____
- 1 3 _____
- 4 7 _____
- 5 or 25 8 _____
- 6
- 9
- किसी भी संख्या के वर्ग के अंतिम दो अंक वही होंगे जो 1-24 तक की संख्याओं के वर्ग के अंतिम दो अंक होंगे।

नोट - अतः किसी को 1-25 के वर्ग अवश्य याद होने चाहिए।

Binary व Decimal में बदलना

1. Decimal संख्या की Binary में बदलना
किसी दशमलव संख्या के समतुल्य Binary number ज्ञात करने के लिए हम प्रदत्त दशमलव संख्या को लगातार 2 से तब तक भाग देते हैं जब तक कि अंतिम भागफल के रूप में 1 प्राप्त नहीं होता है।

उदाहरण -

89	$2 \times 44 = 88 ; 89 - 88 = 1$
44	$2 \times 22 = 44 ; 44 - 44 = 0$
22	$2 \times 11 = 22 ; 22 - 22 = 0$
11	$2 \times 5 = 10 ; 11 - 10 = 1$
5	$2 \times 2 = 4 ; 5 - 4 = 1$
2	$2 \times 1 = 2 ; 2 - 2 = 0$
1	अंतिम भागफल

अतः 89 के समतुल्य Binary number = $(1011001)_2$

2. Binary को Decimal में बदलना

Binary system में 1 का मान जब वह हर बार अपनी बाई और एक दूसरा विवरकता है, द्वयं का द्विगुणा हो जाता है तथा जहाँ कहीं भी 0 आता है उसका मान 0 होता है।

उदाहरण -

1	0	1	1	0	0	1
2^6	2^5	2^4	2^3	2^2	2^1	2^0

Now

$$(1011001)_2 = 1 \times 2^6 + 0 \times 2^5 + 1 \times 2^4 + 1 \times 2^3 + 0 \times 2^2 + 0 \times 2^1 + 1 \times 2^0 \\ = 64 + 0 + 16 + 8 + 8 + 0 + 1 \{2^0 = 1\} = 89$$

भाजकों की संख्या या गुणनखंड की संख्या निकालना

पहले संख्या का भाजय गुणनखंड करेंगे और उसे Power के रूप में लिखेंगे तथा प्रत्येक (Power) घात में एक जोड़कर घातों का गुणा करेंगे तो भाजकों की संख्या प्राप्त हो जायेगी।

उदाहरण - 2280 को कुल कितनी संख्याओं से पूर्णतः भाग दिया जा सकता है।

$$\text{हल} - 2280 = 2^3 \times 3^1 \times 5^1 \times 19^1 \\ \text{भाजकों की संख्या} = (3+1)(1+1)(1+1)(1+1) \\ = 4 \times 2 \times 2 \times 2 = 32$$

इकाई का अंक ज्ञात करना

1. जब संख्या घात (power) के रूप में हो
जब Base का इकाई अंक 0, 1, 5 या 6 हो, तो कोई भी प्राकृतिक घात के लिए परिणाम का इकाई अंक वही रहेगा।
जब base का इकाई अंक 2, 3, 4, 7, 8, या 9 हो, तो Power में 4 से भाग देंगे और जितना शेष प्राप्त होगा उतना ही Base के इकाई अंक पर power रखेंगे। जब power, 4 से पूर्णतः कर जाता है तो base के इकाई अंक पर 4 power रखेंगे।

2. शरलीकरण के रूप में हो

प्रत्येक शंख्या के इकाई के अंक को लिखकर चिन्ह के अनुसार शरल करेंगे जो परिणाम आयेगा उत्तर इकाई अंक उत्तर होगा।

Power वाली शंख्याओं में भाग देना (भाजक निकालना)

1. यदि $a^n + b^n$ दिया हो तो

n विषम होने पर $(a+b)$ इसका भाजक होगा।

2. यदि $a^n - b^n$ दिया हो तो।

n विषम होने पर $\rightarrow (a-b)$

n सम होने पर भाजक $\rightarrow (a-b)$ या $(a+b)$ या दोनों।

1. $a^n \div (a-1)$ हो, तो शेषफल हमेशा 1 बचेगा।

2. $a^n \div (a+1)$ { यदि n सम हो, तो हमेशा 1 बचेगा
यदि n विषम हो, तो शेषफल a होगा

3. $(a^n + a) \div (a-1)$ हो, तो शेषफल 2 बचेगा

4. $(a^n + a) \div (a+1)$ { यदि n सम हो, तो शेषफल शून्य (0) होगा।
यदि n विषम हो, तो शेषफल $(a-1)$ होगा।

शांत दशमलव

वह शंख्याएँ जो दशमलव के बाद कुछ अंकों के बाद खत्म हो जाये जैसे - 0.25, 0.15, 0.375 इसी भिन्न शंख्या में लिखा जा सकता है।

झांशांत दशमलव

वह शंख्याएँ जो दशमलव के बाद चलते रहते हैं और ये दो तरह के हो सकते हैं।

0.3333, 0.7777, 0.183183183.....

- जो शंख्याएँ दशमलव के बाद कभी खत्म नहीं होती बल्कि पुनरावृति करती हो, अनंत तक। इसी भिन्न में लिखा जा सकता है।

Non
Repeating
Decimal

जो शंख्याएँ दशमलव के बाद कभी खत्म नहीं होती पर ये अपनी शंख्याओं की निश्चित पुनरावृति (Repeat) नहीं करती।

आवर्ती दशमलव भिन्न

Punjab
Repeating

वह दशमलव भिन्न दशमलव बिंदु के बाद एक या अधिक अंकों की पुनरावृति होती है तो बिंदु के बाद एक या अधिक अंकों की पुनरावृति होती है।

जैसे - $\frac{1}{3} = 0.333\dots, \frac{22}{7} = 3.14285714\dots$ ऐसी

भिन्नों को व्यक्त करने के लिए दोहराए जाने वाले अंक के ऊपर एक टेक्सा खींच देते हैं।

इसी बार बोलते हैं।

$$0.333\dots = 0.\overline{3}$$

$$\frac{22}{7} = 3.14285714\dots = 3.\overline{142857}$$

- शुद्ध आवर्ती दशमलव भिन्न को निम्न प्रकार से लिखा जाता है -

$$0.\overline{P} = \frac{P}{9} \quad 0.\overline{pq} = \frac{pq}{99} \quad 0.\overline{pqr} = \frac{pqr}{999}$$

- मिश्रित आवर्ती दशमलव भिन्न को निम्न प्रकार से लिखा जाता है -

$$0.\overline{pq} = \frac{pq-p}{90} \quad 0.\overline{pqrs} = \frac{pqrs-pq}{900}$$

$$0.\overline{pqr} = \frac{pqr-p}{990} \quad 0.\overline{pqrs} = \frac{pqrs-pq}{9900}$$

उदाहरण -(i) $0.\overline{39} = \frac{39}{99} = \frac{13}{33}$

(ii) $0.\overline{625} = \frac{625-6}{990} = \frac{619}{990}$

(iii) $0.\overline{3524} = \frac{3524-35}{9900} = \frac{3489}{9900} = \frac{1163}{3300}$

रोमन पद्धति के अंकेतक

1	→	I
2	→	II
3	→	III
4	→	IV
5	→	V
6	→	VI
7	→	VII
8	→	VIII
9	→	IX
10	→	X
20	→	XX
30	→	XXX
40	→	XL
50	→	L
100	→	C
500	→	D
1000	→	M

विभाजकता के नियम

2 से	अग्रिम अंक सम शंख्या या शून्य (0) हो जैसे - 236, 150, 1000004
3 से	किसी शंख्या में अंकों का योग 3 से विभाजित होगा तो पूर्ण शंख्या 3 से विभाजित होगी। जैसे - 729, 12342, 5631
4 से	अग्रिम दो अंक शून्य हो या 4 से विभाजित हो जैसे - 1024, 58764, 567800
5 से	अग्रिम अंक शून्य या 5 हो जैसे - 3125, 625, 1250
6 से	कोई शंख्या अग्र 2 तथा 3 दोनों से विभाजित हो तो वह 6 से भी विभाजित होगी। जैसे - 3060, 42462, 10242
7 से	किसी शंख्या के अग्रिम अंक को 2 से गुणा करके शेष शंख्या से घटाने पर यदि शंख्या 0 या 7 का गुणज हो तो अथवा किसी भी अंक का 6 के गुणज में दोहराए तो शंख्या 7 से विभाज्य होगी। जैसे - 22222, 4444444444, 7854
8 से	यदि किसी शंख्या के अग्रिम तीन अंक 8 से विभाज्य हो या अंतिम तीन अंक '000' (शून्य) हो। जैसे - 9872, 347000

9 से	किसी शंख्या के अंकों का योग अग्र 9 से विभाज्य हो तो पूर्ण शंख्या 9 से विभक्त होगी।
10 से	अंतिम अंक शून्य (0) हो तो
11 से	विषम स्थानों पर अंकों का योग व सम स्थानों पर अंकों के योग का अन्तर शून्य (0) या 11 या 11 का गुणज हो तो जैसे - 1331, 5643, 8172659
12 से	3 व 4 के विभाज्य का शंखुक्त रूप
13 से	अंक का 6 बार दोहराए तो, या अग्रिम अंक का 4 से गुणा करके शेष शंख्या में जोड़ने पर शंख्या अग्र 13 से विभाजित हो तो पूर्ण शंख्या 13 से विभाजित होगी। जैसे - 22222, 17784

કંઈકાણ પ્રથમ

संख्याओं के योग, घनता तथा गुणनफल पर आधारित



सिद्धांत



प्रश्नों के हल



- | | | | |
|-------|--|---------------------------------|--------------------|
| उदा.1 | यदि किसी संख्या का $\frac{3}{4}$ उस संख्या के $\frac{1}{6}$ से 7 अधिक है, तो उस संख्या 5/3 क्या होगा ? | (a) 12 | (b) 18 |
| | | (c) 15 | (d) 20 |
| उत्तर | (d) | | |
| उदा.2 | यदि दो संख्याओं का योगफल तथा उनका गुणनफल a तथा b, उनके व्युत्क्रमों का योगफल होगा | (a) $\frac{1}{a} + \frac{1}{b}$ | (b) $\frac{b}{a}$ |
| | | (c) $\frac{a}{b}$ | (d) $\frac{a}{ab}$ |
| उत्तर | (c) 1" | | |
| उदा.3 | दो संख्याओं का योग 75 है और उनका अंतर 25 है, तो उन दोनों संख्याओं का गुणनफल क्या होगा ? | (a) 1350 | (b) 1250 |
| | | (c) 1000 | (d) 125 |
| उत्तर | (b) | | |
| उदा.4 | एक विद्यार्थी से किसी संख्या का $\frac{5}{16}$ छात करने के लिये कहा गया और गलती से 35 संख्या का $\frac{5}{6}$ छात कर लिया अर्थात् उसका उत्तर शहि उत्तर से 250 अधिक था तो दो से हुई संख्या छात कीजिये । | (a) 300 | (b) 480 |
| | | (c) 450 | (d) 500 |
| उत्तर | (b) | | |

સમ, વિષમ તથા અભાડ્ય સંવ્યાક્રોં પર

आधारित



प्रश्नों के हल

उत्तर (c)

- उदाहरण 2** तीन अभाज्य संख्याओं का योग 100 है यदि उनमें से एक संख्या दूसरी संख्या से 36 ग्रन्थिक हो तो एक संख्या क्या होगा ?

भाग, भागफल तथा शेषफल पर आधारित



उत्तर (c)

उत्तर (d)

- उदा.3 विभाजन के एक योगफल में विभाजक, भागफल का 12 गुना तथा शेषफल का 5 गुना है। तद्दुत्तात्र, यदि उसमें शेषफल 36 हो, तो भाड्य कितना होगा ?

(a) 2706

(b) 2796

(c) 2736

(d) 2826

उत्तर (c)

उदा.2 निम्नलिखित को आरोही क्रम में शारूँ -

$$\sqrt{7} - \sqrt{5}, \sqrt{5} - \sqrt{3}, \sqrt{9} - \sqrt{7}, \sqrt{11} - \sqrt{9}$$

उदा.3 दंश्याङ्कों $\frac{7}{9}, \frac{11}{13}, \frac{16}{19}, \frac{21}{25}$ को अवरोही क्रम में लिखिये ?

गुणनखंडों की शंख्या पर आधारित



प्रश्नों के हल


उदा.1 $\left\{ (127)^{127} + (97)^{127} \right\}$ तथा $\left\{ (127)^{97} + (97)^{97} \right\}$

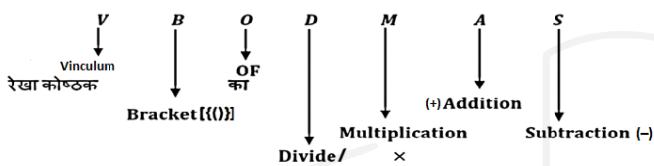
का उभयनिष्ठ गुणनखण्ड क्या होगा ?

- | | |
|---------|---------|
| (a) 127 | (b) 97 |
| (c) 30 | (d) 224 |

उदा.2 $\frac{(18)^{15} \times (75)^{16} \times (42)^{14}}{(35)^{12} \times (12)^{16}}$ में कितने अभाज्य खंड हैं ?

सरलीकरण (Simplification)

- सरलीकरण के अंतर्गत हम दिए गये आँकड़ों को सरल रूप में प्रदर्शित करते हैं जैसे कि आँकड़े भिन्न में, दशमलव में, बट्टे में, घात में तथा Mathematical Operation को हल करके या रूप बदल के किया जाता है।
- यदि कुछ संख्या पर भिन्न-भिन्न प्रकार के Operation दिये हो तो हम उसे कैसे हल करे कि प्रश्न का उत्तर यही आये उसके लिये एक Rule होता है जिसे हम VBODMAS का Rule कहते हैं।
- हम पहले कौनसा Operation करे, यह VBODMAS का Rule तय करता है।



- इन सभी गणितीय क्रियाओं में शब्दों पहले V है जिसका मतलब Vinculum (रेखा कोष्ठक) है। यदि प्रश्न में ऐसा कोष्ठक है तो शर्वप्रथम उसे हल करेंगे और उसमें फिर (BODMAS) Rule कार्य करेगा।
- द्वितीय स्थान पर B (Bracket) मतलब कोष्ठक है जो निम्न हो सकते हैं-
 - छोटा कोष्ठक ()
 - मंड़ला कोष्ठक {}
 - बड़ा कोष्ठक []
- शब्दों पहले छोटा कोष्ठक, फिर मंड़ला कोष्ठक और उसके बाद बड़ा कोष्ठक हल किया जाता है।
- तृतीय स्थान पर "O" है जो कि "of" या "Order" से बना है, जिसका मतलब "गुणा" से या "का" से होता है।
- चतुर्थ स्थान पर "D" है जिसका मतलब "Division" है, दिए गये व्यंजन में भिन्न-भिन्न क्रियाओं में शब्दों पहले भाग करते हैं यदि दिया है तो।
- पंचम स्थान पर "M" है जिसका मतलब "Multiplication" है, दिये गए व्यंजन में

"Division" के बाद "Multiplication" (गुणा) करेंगे।

- छठा स्थान "A" रखता है जो "Addition" (जोड़) से शंखंघित है। Division-multiplication के बाद Addition किया होता है।
- सप्तम स्थान पर "S" है जो "Subtraction" से बना है।

प्रश्न. सरल कीजिए।

$$\left[3\frac{1}{4} \div \left\{ 1\frac{1}{4} - \frac{1}{2} \left(2\frac{1}{2} - \frac{1}{4} - \frac{1}{6} \right) \right\} \right] \div \left(\frac{1}{2} \text{ of } 4\frac{1}{3} \right)$$

हल Step 1 – शब्दों पहले शभी मिश्र भिन्नों को साधारण भिन्नों में बदलते हैं।

$$\left[\frac{13}{4} \div \left\{ \frac{5}{4} - \frac{1}{2} \left(\frac{5}{2} - \frac{1}{4} - \frac{1}{6} \right) \right\} \right] \div \left(\frac{1}{2} \text{ of } \frac{13}{3} \right)$$

अब VBODMAS के अनुसार

Step 2 –

$$\left[\frac{13}{4} \div \left\{ \frac{5}{4} - \frac{1}{2} \left(\frac{5}{2} - \frac{3}{12} \right) \right\} \right] \div \left(\frac{1}{2} \text{ of } \frac{13}{3} \right)$$

Step 3 –

$$\left[\frac{13}{4} \div \left\{ \frac{5}{4} - \frac{1}{2} \left(\frac{5}{2} - \frac{1}{12} \right) \right\} \right] \div \frac{13}{6}$$

Step 4 –

$$\left[\frac{13}{4} \div \left\{ \frac{5}{4} - \frac{1}{2} \times \left(\frac{30-1}{12} \right) \right\} \right] \div \frac{13}{6}$$

Step 5 –

$$\left[\frac{13}{4} \div \left\{ \frac{5}{4} - \frac{1}{2} \times \frac{29}{12} \right\} \right] \div \frac{13}{6}$$

$$\text{Step 6} - \left[\frac{13}{4} \div \left\{ \frac{30-29}{24} \right\} \right] \div \frac{13}{6}$$

$$\text{Step 7} - \left[\frac{13}{4} \div \frac{1}{24} \right] \div \frac{13}{6}$$

$$\text{Step 8} - \left[\frac{13}{4} \times 24 \right] \div \frac{13}{6}$$

$$\text{Step 9} - 13 \times 6 \times \frac{6}{13} \\ = 36 \text{ Ans.}$$

बीजगणितीय शूल्क

1. $(a + b)^2 = a^2 + 2ab + b^2$
2. $(a - b)^2 = a^2 - 2ab + b^2$
3. $(a + b)^2 + (a - b)^2 = 2(a^2 + b^2)$
4. $(a^2 - b^2) = (a + b)(a - b)$
5. $a^2 + b^2 + c^2 = (a + b + c)^2 - 2(ab + bc + ca)$
6. $a^2 + \frac{1}{a^2} = \left(a + \frac{1}{a} \right)^2 - 2$
7. $a^2 + b^2 + c^2 - ab - bc - ca = \frac{1}{2} \left[(a-b)^2 + (b+c)^2 + (c-a)^2 \right]$
8. $a^3 + b^3 = (a + b)^3 - 3ab(a + b) = (a + b)(a^2 - ab + b^2)$
9. $a^3 - b^3 = (a - b)^3 + 3ab(a - b) = (a - b)(a^2 + ab + b^2)$
10. $a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a + b + c)(a^2 + b^2 + c^2 - ab - bc - ca)$
 $= \frac{1}{2}(a+b+c) \left\{ (a-b)^2 + (b-c)^2 + (c-a)^2 \right\}$

यदि $a + b + c = 0$ हो तो

$$a^3 + b^3 + c^3 = 3abc$$

$$11. a^3 + \frac{1}{a^3} = \left(a + \frac{1}{a} \right)^3 - 3 \left(a + \frac{1}{a} \right)$$

$$12. a^3 - \frac{1}{a^3} = \left(a - \frac{1}{a} \right)^3 + 3 \left(a - \frac{1}{a} \right)$$

समान्तर श्रेणी

वह श्रेणी जिसका प्रत्येक पद अपने पूर्व पद से कोई नियत शारीरिक अंतर अथवा घटाने से प्राप्त होता है।

जैसे - 2, 5, 8, 11,

समान्तर श्रेणी का n वाँ पद

$$T_n = a + (n - 1)d$$

जहाँ a = प्रथम पद

d = शारीरिक अंतर (द्वितीय पद - प्रथम पद)

n = पदों की संख्या

$$\text{समान्तर श्रेणी के } n \text{ पदों का योग } S_n = \frac{n}{2} [2a + (n-1)d]$$

$$\text{यदि प्रथम व अंतिम पद ज्ञात हो तो } S_n = \frac{n}{2} [a + l]$$

जहाँ l = अंतिम पद

दो शारीरिकों के मध्य समान्तर माध्य A = $\frac{a+b}{2}$ [a, b का समान्तर माध्य A है।]

गुणोत्तर श्रेणी

यदि श्रेणी के प्रत्येक पद का उससे पूर्व पद से अनुपात एक निश्चियत शारीरिक होती है तो गुणोत्तर श्रेणी होती है। इस निश्चियत शारीरिक को शारीरिक अनुपात कहते हैं।

गुणोत्तर श्रेणी का n वाँ पद

$$T_n = a \cdot r^{n-1}$$

जहाँ a = प्रथम पद

r = शारीरिक अनुपात

n = पदों की संख्या

गुणोत्तर श्रेणी के n पदों का योगफल

$$S_n = a \left(\frac{1-r^n}{1-r} \right); \text{ जब } r < 1 \quad S_n = a \left(\frac{r^n-1}{r-1} \right); \text{ जब } r > 1$$

1. दो शारीरिकों के मध्य गुणोत्तर माध्य G = \sqrt{ab}

2. यदि दो धनात्मक शारीरिकों a व b के मध्य समान्तर माध्य तथा गुणोत्तर माध्य A व G हैं तो

$$A > G, \frac{a+b}{2} > \sqrt{ab}$$

हरात्मक श्रेणी

किसी श्रेणी के पदों के व्युत्क्रम उसी क्रम में लिखने पर समान्तर श्रेणी में हो तो उसे हरात्मक श्रेणी कहते हैं।

हरात्मक श्रेणी का n वाँ पद

$$T_n = \frac{1}{a + (n-1)d}$$

$$\text{हरात्मक माध्य (H)} = \frac{2ab}{a+b}$$

(a) $\frac{1}{8}$

(c) $\frac{1}{16}$

(b) $\frac{1}{64}$

(d) $\frac{1}{32}$

उत्तर (a)

उदाहरण 2 यदि $2 = x + \frac{1}{1 + \frac{1}{3 + \frac{1}{4}}}$ है तो x का मान ज्ञात करें।

करें।

(a) $\frac{18}{17}$

(b) $\frac{21}{17}$

(c) $\frac{13}{17}$

(d) $\frac{12}{17}$

उत्तर (b)

उदाहरण 3 $999 \frac{998}{999} \times 999$ किसके बराबर हैं ?

(a) 998999

(b) 999899

(c) 989999

(d) 999989

उत्तर (a)

उदाहरण 4 $\frac{1}{5} + 999 \frac{494}{495} \times 99$ का मान ज्ञात करें।

(a) 90000

(b) 99000

(c) 90900

(d) 99990

उत्तर (b)

बीजगणितीय शूलों पर आधारित



प्रश्नों के हल



उदाहरण 1 $\left(\sqrt{2} + \frac{1}{\sqrt{2}}\right)^2$ के बराबर हैं ?

(a) $2\frac{1}{2}$

(b) $3\frac{1}{2}$

(c) $4\frac{1}{2}$

(d) $5\frac{1}{2}$

उत्तर (c)

उदाहरण 2 $\frac{0.51 \times 0.051 \times 0.051 + 0.041 \times 0.041 \times 0.041}{0.51 \times 0.051 - 0.051 \times 0.041 + 0.041 \times 0.041}$ का मान क्या है ?

(a) 0.92

(b) 0.092

(c) 0.0092

(d) 0.00092

उत्तर (b)

श्रेणी आधारित (कमान्तर श्रेणी, गुणोत्तर श्रेणी, हारात्मक श्रेणी)



प्रश्नों के हल



उदाहरण 1 50 से कम 3 के शशी गुणजों का योगफल ज्ञात करें ?

(a) 400

(b) 408

(c) 404

(d) 412

उत्तर (b)

उदाहरण 2 निम्नलिखित कमान्तर श्रेणी में कितने पद हैं ?

7, 13, 19, , 205

उदाहरण 3 5 के उन शशी धनात्मक गुणांकों का योग ज्ञात करें जो 100 से कम हैं ?

समीकरण आधारित



प्रश्नों के हल



उदाहरण 1 एक पर्यटक प्रतिदिन उतने ही रुपये खर्च करता है जितने उसके पर्यटन के दिनों की अंक्ष्या हैं। उसका कुल खर्च रुपये 361 हैं, तो ज्ञात करें कि उसका पर्यटन कितने दिनों तक चला ?

(a) 17 days (b) 19 days

(c) 21 days (d) 31 days

उत्तर (b)

उदाहरण 2 यदि दो अंक्ष्याओं का योग 22 है, और उनके वर्गों का योग 404 है, तो उन अंक्ष्याओं का गुणनफल ज्ञात करें ?

(a) 40

(b) 44

(c) 80

(d) 89

उत्तर (a)

उदाहरण 3 जब एक दो अंकों की संख्या को उसके अंकों के योग से गुणा किया जाता है, तो गुणनफल 424 होता है। जब उसके अंकों की आपस में बदलने से प्राप्त संख्या को अंकों के योग से गुणा किया जाता है तो परिणाम 280 होता है। संख्या के अंकों का योग कितना है ?

उत्तर (d)

औसत (Average)



सिद्धांत

$$\text{औसत} = \frac{\text{परीक्षणों का योग}}{\text{परीक्षणों की संख्या}}$$

संख्या आधारित शैक्षणिक (कुनूर)

- प्रथम n प्राकृत संख्याओं का औसत = $\frac{(n+1)}{2}$
 - प्रथम n क्रमागत शम संख्याओों का औसत = $(n+1)$
 - प्रथम n क्रमागत विषम संख्याओों का औसत = n
 - प्रथम n प्राकृत संख्याओं के वर्गों का औसत
= $\frac{(n+1)(2n+1)}{6}$
 - प्रथम n प्राकृत संख्याओं के घनों का औसत = $\frac{\{n(n+1)^2\}}{4}$
 - 1 से लेकर n तक की विषम संख्याओं का औसत
= $\frac{(n+1)}{2}$, (जहाँ n = अनितम विषम संख्या)
 - 1 से लेकर n तक की शम संख्याओं का औसत = $\frac{(n+2)}{2}$, (n जहाँ = अनितम शम संख्या)
 - यदि शमान दूरी तय करने में क्रमशः चाल a किमी./घंटा और b किमी./घंटा हो, तो औसत चाल = $\frac{2ab}{(a+b)}$ होगी।
 - यदि शमान दूरी के लिए औसत चाल a किमी./घंटा, b km/hr किमी./घंटा तथा c किमी./घंटा हो, तो औसत चाल = $\frac{3abc}{(ab+bc+ca)}$ किमी./घंटा होगी।
 - P व्यक्तियों में से एक व्यक्ति, जिसका औसत भार x किग्रा. है, चला जाता है के स्थान पर एक नया व्यक्ति आ जाता है, जिससे व्यक्तियों का औसत भार y किग्रा. बढ़ जाता है, तो नये व्यक्ति का भार = $(x + P \times y)$ किग्रा.
 - P व्यक्तियों की औसत आयु x वर्ष है। Q व्यक्तियों के और शम्भिलित हो जाने पर औसत आयु y वर्ष हो जाती है, तो नये व्यक्तियों की औसत आयु = $x + (y - x) \times \frac{(P+Q)}{Q}$ वर्ष
 - P व्यक्तियों की औसत आयु x वर्ष है। Q व्यक्तियों के बाहर चले जाने से व्यक्तियों की औसत आयु y

$$\text{वर्ष हो जाती हैं, तो बाहर जाने वाले व्यक्तियों की} \\ \text{श्रौत आयु} = x - [(y - x) \times \frac{(P-Q)}{Q}] \text{ वर्ष}$$

13. x बच्चों की औसत आयु y वर्ष है। यदि बच्चों की आयु में पिता की आयु जोड़ दी जाती है, तो उनकी औसत आयु z वर्ष हो जाती है। पिता की आयु = $z \times (x + 1) - y \times x$ वर्ष

14. P छात्रों की औसत आयु x वर्ष है। एक छात्र के बाहर चले जाने पर छात्रों की औसत आयु y वर्ष हो जाती है, तो बाहर जाने वाले छात्र की औसत आयु = $P \times x - (P - 1)y$ वर्ष

15. किसी संस्थान में कुल P कर्मचारियों व अधिकारियों के वेतन का औसत मान प्रतिमाह ₹ x हो तथा अधिकारियों के वेतन का औसत मान प्रतिमाह ₹ y तथा कर्मचारियों के वेतन का औसत मान प्रतिमाह ₹ z है तो, संस्था में कुल कर्मचारियों की शंख्या = $\frac{(x-y) \times P}{(z-y)}$

16. यदि प्रत्येक शशि को x गुना कर दिया जाए तो औसत भी x गुना हो जाता है।

17. गेंदबाज का औसत निकालना :-

गेंदबाज का औसत = $\frac{\text{कुल रन}}{\text{विकेटों की संख्या}}$

कुल = Avg \times x
 $x =$ विकेटों की अंक्षया

કંઈકાણ પ્રથન

संख्या आधारित



सिद्धांत

सिद्धांत प्रश्नों के हल

